नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

डिजिटल अरेस्ट पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती स्वागत योग्य

डिजिटल इंडिया की सफलता का सबसे बड़ा आधार नागरिकों का भरोसा है. यदि लोग ऑनलाइन लेन-देन करने से डरने लगें तो डिजिटल अर्थव्यवस्था की पूरी अवधारणा कमजोर पड़ जाएगी. पिछले कुछ वर्षों में 'डिजिटल अरेस्ट', फर्जी पुलिस और जांच एजेंसियों के नाम पर धमकी, वीडियो कॉल के जरिए डराकर पैसे ऐंठने तथा म्यूल अकाउंट्स के माध्यम से धनराशि गायब कर देने जैसे साइबर अपराधों ने करोड़ों भारतीयों की चिंता बढ़ाई है. ऐसे समय में सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्वतः संज्ञान लेकर भारतीय रिजर्व बैंक, केंद्र और राज्य सरकारों, पुलिस, जांच एजेंसियों तथा न्यायिक संस्थाओं के लिए व्यापक दिशा-निर्देश जारी करना स्वागतयोग्य कदम है. मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जोयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने स्पष्ट संदेश दिया है कि साइबर अपराध अब केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि नागरिकों की आर्थिक सुरक्षा और संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा गंभीर मामला है. अदालत ने आरबीआई को चार सप्ताह के भीतर म्यूल अकाउंट्स पर तत्काल डेबिट होल्ड लगाने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करने का निर्देश दिया है. यह व्यवस्था इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अधिकांश साइबर ठगी का पैसा कुछ ही मिनटों में अनेक फर्जी खातों में स्थानांतरित कर दिया जाता है. यदि शुरुआती स्तर पर लेन-देन रोक दिया जाए तो पीड़ित की रकम बचाई जा सकती है. सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर शीघ्र संचालित करने और सभी जगह ई जीरो एफआईआर व्यवस्था लागू करने का भी निर्देश दिया है. साइबर अपराधों में समय ही सबसे बड़ी पूंजी होता है. शिकायत दर्ज करने में हुई कुछ घंटों की देरी भी अपराधियों को कानून की पकड़ से दूर ले जाती है. इसलिए त्वरित एफआईआर, तत्काल बैंक खातों को फ्रीज करना और समयबद्ध जांच अब अनिवार्य प्रशासनिक संस्कृति का हिस्सा बनना चाहिए. अदालत ने न्यायपालिका और राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरणों की भूमिका भी रेखांकित की है. फ्रीज किए गए खातों में वैध धनराशि शीघ्र लौटाना और विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों के बीच डिजिटल अरेस्ट जैसी ठगी के प्रति व्यापक जागरूकता फैलाना अत्यंत आवश्यक है. आज भी अनेक लोग यह नहीं जानते कि कोई भी पुलिस अधिकारी, सीबीआई, ईडी या अन्य सरकारी एजेंसी फोन या वीडियो कॉल पर किसी व्यक्ति को 'डिजिटल अरेस्ट' नहीं कर सकती. इसी अज्ञान का लाभ अपराधी उठाते हैं. कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत आंकड़े कुछ राहत अवश्य देते हैं. डिजिटल अरेस्ट से जुड़ी शिकायतों में कमी आई है और 36 हजार से अधिक मामलों में लगभग 18.05 करोड़ रुपये पीड़ितों को वापस दिलाए जा चुके हैं. सीबीआई द्वारा देशभर में 90 से अधिक स्थानों पर की गई कार्रवाई भी इस बात का संकेत है कि संगठित साइबर गिरोहों के खिलाफ अभियान तेज हुआ है. लेकिन यह लड़ाई अभी लंबी है. अपराधी लगातार नई तकनीकों और नए हथकंडों का सहारा ले रहे हैं. सुप्रीम कोर्ट ने अपनी भूमिका निभाते हुए स्पष्ट दिशा दे दी है. अब जिम्मेदारी सरकारों, बैंकों, पुलिस और नागरिकों की है. बैंकिंग तंत्र को तकनीकी रूप से अधिक सक्षम बनाना होगा, पुलिस को साइबर जांच में विशेषज्ञता बढ़ानी होगी और हर नागरिक को डिजिटल सतर्कता अपनी आदत बनानी होगी. डिजिटल भारत का भविष्य केवल इंटरनेट की गति से नहीं, बल्कि सुरक्षा और विश्वास की मजबूती से तय होगा. सुप्रीम कोर्ट की यह पहल उसी भरोसे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है.

हथकरघा : विकसित भारत के भविष्य की बुनाई

गिरिराज सिंह

> हथकरघे का भविष्य बाजार के साथ-साथ सोच पर भी निर्भर करता है. हमारे बुनकर सिर्फ कामगार नहीं हैं. वे उद्यमी, नवोन्मेषक और मूल्य सृजितवाले हैं. उन्हें ब्रांड बनाने, मूल्य श्रृंखला में आगे बढ़ने और दुनिया के बाजारों तक पहुंचने में मदद करके, हम हथकरघा को भारत के सबसे गतिशील रचनात्मक उद्योगों में से एक बना सकते हैं. भारत के युवाओं से भी एक आहवान है कि वे हथकरघे के अगले अध्याय को आकार देने के लिए विरासत एवं तकनीक, रचनात्मकता और उद्यमशीलता को एक साथ जोड़ें. इस राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर, आइए हम अपने बुनकरों का सम्मान सिर्फ हमारी विरासत के संरक्षक के रूप में ही नहींबल्कि भारत की प्रगति के शिल्पकारों के रूप में भी करें. साथ ही, हम हथकरघा को अपने रोजमर्रा के जीवन का हिस्सा बनाएं. हमारे द्वारा खरीदा और पहना गया हथकरघा का हर उत्पाद एक बुनकर की आजीविका को मजबूत करता है, सदियों पुरानी एक परंपरा को संजोता है और भारत की कहानी को दुनिया तक पहुंचाता है. हथकरघा को अपनाकर, हम न सिर्फ अपनी विरासत को ओढ़ते हैं बल्कि 'विकसित भारत'के भविष्य को बुनने में भी मदद करते हैं.

किसी विकसित राष्ट्र का निर्माण सिर्फ तकनीक से ही निर्धारित नहीं होता. उसका खाका स्थायी खूबियों को भावी प्रगति के वाहकके रूप में बदल सकने की क्षमता सेगढ़ा जाता है. अब जबकि हमारा देश' विकसित भारत 2047' की दिशा में आगे बढ़ रहा है, हम अत्याधुनिक तकनीकों में निवेश कर रहे हैं, मैन्यूफैक्चरिंग को सुदृढ़ बना रहे हैं और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी उद्योग को तैयार कर रहे हैं. फिर भी, हमारी हथकरघा परंपरा उन सबसे बड़ी खूबियों में से एक है जो हमेशा हमारे साथ बनी रही है. आगामी 7अगस्त कोजब भारत 12वां राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाएगा, तो यह हथकरघा को एक ऐसे रणनीतिक क्षेत्र के तौर पर देखने का उपयुक्त अवसर होगा जो टिकाऊपन, प्रामाणिकता और सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला को महत्व देने वाली दुनिया के लिए बेहद अहम है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'विकसित भारत 2047'का सपना समृद्धि, आत्मनिर्भरता, समावेशिता और सांस्कृतिक आत्मविश्वास पर आधारित है. हथकरघा, विरासत और नवाचार को एक साथ जोड़कर इस सपने को साकार करता है. साथ ही, यह महिलाओं के नेतृत्व में विकास, ग्रामीण उद्यमिता, आजीविका और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता को भी बढ़ावा देता है.

रामचरितमानस में कहा गया है,

सौरजधीरजतेहिरथचाका.
सत्यसीलदृढ़ध्वजापताका॥
बलबिबेकदमपरहितघोरे.
छमाकृपासमतारजुजोरे॥

विजय रथ के उपदेश में भगवान राम यह सिखलाते हैं कि स्थायी जीत शक्ति पर नहीं, बल्कि मूल्यों पर आधारित होती है. इन्हीं मूल्यों ने सदियों से भारत की हथकरघा परंपरा को टिकाए रखा है. हाथ से बुना हुआ हर कपड़ा परंपरा को बनाए रखने के साहस, हर धागे को बेहतरीन बनाने के धैर्य, ईमानदार कारीगरी की निष्ठा और पीढ़ियों से चली आ रही समझदारी को दर्शाता है. यही कारण है कि हथकरघा महज एक शिल्प नहीं, बल्कि भारत की महानतम सभ्यतागत खूबियों में से एक है. सबसे पहले कपास की खेती एवं बुनाई करने वाली सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर वैश्विक व्यापार मेंभारतीय वस्त्रों के दबदबे वालीअठारहवीं सदी तक, भारत ने वैश्विक स्तर पर वस्त्र निर्माण की उत्कृष्टता के सर्वोच्च मानक स्थापित किए. बंगाल के प्रसिद्ध मलमलके साथ-साथ बनारसी सिल्क, कांचीपुरम की बुनाई, पोचमपल्ली इकत और अनगिनत क्षेत्रीय परंपराओं ने भारत को दुनिया भर में पहचान और प्रशंसादिलाई. बंगाल का मलमल तो इतना महीन होता था कि 25 मीटर लंबा कपड़ा भी एक अंगूठी से होकर गुजर जाए. आज जब दुनिया प्रामाणिक,टिकाऊ और हाथ से बने उत्पादों की ओर मुड़ रही है, तो हमारे पास उस अग्रता को फिर से हासिल करने का एक ऐतिहासिक मौका है. हमारी अगली हथकरघा क्रांति के दौरान सिर्फ वस्त्र ही नहीं, बल्कि कारीगरी, विरासत, नवाचार और भरोसे का भी निर्यात होना चाहिए ताकि हाथ से बुना हर उत्पाद 'ब्रांड इंडिया'की पहचान बन सके. हथकरघा भारत का सबसे बड़ा कुटीर उद्योग है. यह 35 लाख से अधिक बुनकरों व उनसे जुड़े कामगारों की आजीविका का सहारा है. इन कामगारों में से लगभग 72 प्रतिशत महिलाएं हैं. पिछले दशक में, सरकार ने 'कच्चा माल आपूर्ति योजना', 797 हथकरघा क्लस्टरों, 1.24 लाख से अधिक उन्नत करघों, लगभग 97,000 कारीगरों के कौशल विकास और उत्पादक कंपनियों, जीआई टैग वाले उत्पादों, हैंडलूम मार्क, इंडिया हैंडमेड सर्टिफिकेशन, अर्बन हाट और डिजाइन रिसोर्स सेंटर जैसी पहलों के जरिए इस सेक्टर को सुदृढ़ किया है. आज29 'बुनकर सेवा केन्द्र' प्रशिक्षण, कौशल के उन्नयन, डिजाइन के विकास, कच्चे माल संबंधी सहायता और बाजार से जोड़ने जैसी सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं. वहीं, 11 इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हैंडलूम टेक्नोलॉजी को सुदृढ़ किया जा रहा है ताकि उन्नत प्रशिक्षण के प्रसार को बढ़ाया जा सके. आगामी राष्ट्रीय हथकरघा और हस्तशिल्प कार्यक्रम' 500 जिलों में 1,800 क्लस्टरों को सुदृढ़ करेगा, 65 लाख बुनकरों व कारीगरों को लाभान्वित करेगा और 'हैंडमेड इन इंडिया'को एक वैश्विक ब्रांड के तौर पर स्थापित करेगा.

(लेखक केन्द्रीय वस्त्र मंत्री हैं. ये उनके निजी विचार हैं.)

महाकौशल की डायरी

दतिया के परिणाम से महाकौशल में बदलेंगे सियासी समीकरण.... ?

अविनाश दीक्षित

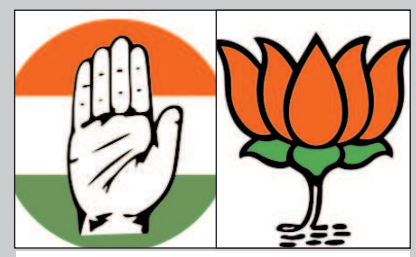

दतिया उपचुनाव में भाजपा को करारी शिकस्त देने के बाद कांग्रेस सहित समूचे विपक्ष ने जिस तरह जीत का जश्न मनाया उससे यह स्पष्ट हो गया कि निकट भविष्य में महाकौशल सहित पूरे प्रदेश के सियासी गणित बदलने वाले हैं। इस उपचुनाव के परिणाम ने भाजपाई खेमे में चिंता की लहर उत्पन्न कर दी है। पार्टी के प्रादेशिक नेतृत्व से लेकर राष्ट्रीय संगठन तक दतिया में हुई चूक की वजह तलाशी जाने लगी है. इससे महाकौशल के राजनीतिक केंद्र बिंदु जबलपुर में भी नई बहस छिड़ गई है. जीत से गदगद कांग्रेसी इसे बदलाव की बयार बता रहे हैं, वहीं जबलपुर भाजपा के नेता मुंगेरीलाल के सपने निरूपित कर रहे हैं. पूर्व मंत्री तरुण भनोट ने सरेराह बयान दिया कि दतिया उपचुनाव के परिणाम ने भाजपा नेताओं के दंभ को चकनाचूर कर दिया है, हम जनआशीर्वाद लेकर मध्यप्रदेश सहित केंद्रीय सरकार बदलेंगे और ऐसी सरकार बनाएंगे जो निष्ठा और ईमानदारी से काम करेगी. तरुण के बयान के अलावा कांग्रेस के कुछ अन्य नेताओं ने भी इसी तरह की प्रतिक्रियाएं जाहिर कीं. इसके जवाब में किसी भाजपा नेता ने सार्वजनिक तौर पर कोई बयान तो नहीं दिया मगर भाजपाइयों के व्हॉट्सएप ग्रुपों में जो संदेशों का आदान-प्रदान हुआ उससे यह स्पष्ट हुआ कि कांग्रेस ने अभी से ही मुगालता पाल लिया है। वहीं जमीन से जुड़े भगवा दल कार्यकर्ताओं ने दतिया एपिसोड को पार्टी के लिए नुकसानदेय मानते हुए पार्टी कर्णधारों को चेत जाने की सलाह दी। खाटी भाजपाईयों के बीच चर्चा सरगर्म है कि हाल ही में स्थानीय वरिष्ठ नेताओं ने जिस तरह सोशल मीडिया में प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से बयानों के तीर छोड़े हैं उससे स्पष्ट है कि बड़े पदों में विराजित अपने ही नेताओं की कार्यप्रणाली से वह संतुष्ट नहीं है। ऐसे में यह अनुमान सहजता से लगाया जा सकता है कि संशयपूर्ण हालात किस दल में हैं। यद्यपि सतही तौर पर दिखाया यही जा रहा है कि एक उपचुनाव परिणाम विपरीत चले जाने से समग्र परिदृश्य नहीं बदलने वाला, मतलब ऑल इज वेल ही रहने वाला है.

तरुण भनोट

हमें तो अपनों ने लूटा गैरों में कहां दम था....

हमें तो अपनों ने लूटा गैरों में कहां दम था, मेरी कश्ती वहां डूबी जहां पानी कम था.. ये पंक्ति जबलपुर के ड्रग विभाग में इन दिनों फिट बैठते हुए नजर आ रही है। धीरे-धीरे सुलगती गई चिंगारी की आंच आखिरकार जबलपुर के ड्रग इंस्पेक्टर पर पड़ ही गई। नतीजा यह रहा कि नियंत्रक, खाद्य सुरक्षा एवं नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, भोपाल ने उन्हें निलंबित कर दिया। पहले से ही छिंदवाड़ा सिरप कांड में निलंबित चल रहे शरद जैन के बाद अब देवेन्द्र कुमार जैन पर निलंबन की कार्यवाही भोपाल स्तर से हुई तो विभाग में हड़कंप मच गया। चर्चाएं जोरों पर थीं कि जिसने भोपाल में उनकी शिकायतें कीं वो ड्रग इंस्पेक्टर के बेहद करीब थे और साहब के साथ उठना बैठना भी बहुत था। उधर जबलपुर जिले में ड्रग इंस्पेक्टर की कमान किस दवा निरीक्षक के हाथ में सौंपी जाएगी इसको लेकर अटकलों का दौर शुरू हो गया है। खबर है कि विभाग को लगातार ड्रग इंस्पेक्टर देवेंद्र जैन के खिलाफ शिकायतें मिल रहीं थीं जिसके बाद मुख्यालय से उन पर नजर रखी जा रही थी, जिसकी ड्रग इंस्पेक्टर को भनक तक नहीं लग पाई, अंततः कार्रवाई की सुई साहब की तरफ घूम ही गई। विभाग की ओर से जो कारण बताया गया उसके अनुसार नवीन औषधि विक्रय अनुज्ञप्ति (ड्रग लाइसेंस) से संबंधित डिंडोरी के 1 आवेदन और जबलपुर के 12 आवेदनों का 30 दिनों के भीतर निराकरण साहब को करना था लेकिन 30 दिनों के बाद भी उन्होंने निराकरण नहीं किया। विभागीय सूत्रों की मानें तो व्यवहारिक शिकायतों के अलावा साहब की तय फीस न मिल पाना उनको निलंबित करवा गई।

किस काम की ऐसी फसल बीमा योजना!

अन्नदाता किसानों की हालत पहले ही दयनीय है फिर उनके साथ फसल बीमा योजना के नाम पर क्यों क्रूर मजाक किया जाता है? हैरत की बात है कि किसानों के हित के नाम पर शुरू की गई योजनाएं भी किसानों का नुकसान करती हैं. धाराशिव जिले के दिव्यांग किसान ने कहीं से 700 रुपये उधार लेकर फसल बीमा का प्रीमियम भरा. सितंबर 2025 में अतिवृष्टि और बाढ़ में उसकी सोयाबीन की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई. कई महीने प्रतीक्षा करने के बाद उसके खाते में मुआवजे के तौर पर सिर्फ 211 रुपये जमा हुए. मतलब यह कि प्रीमियम का एक तिहाई मुआवजा भी नहीं मिला. यह कैसी योजना है, जो अत्यल्प मुआवजा देकर किसान के जख्म पर नमक छिड़कने का काम करती है? यह किसी ने नहीं देखा कि किसान पोलियो ग्रस्त होने के कारण चलने-फिरने में असमर्थ है. उसकी पत्नी दृष्टिबाधित है. डेढ़ एकड़ जमीन में खेती और निराधार पेंशन से यह दंपति जैसे-तैसे जीवनयापन करता है. बीमा कंपनियां सिर्फ अपना भरपूर मुनाफा देखती हैं. उन्हें अतिवृष्टि या सूखा से बर्बादी झेलने वाले गरीब किसानों से कोई सहानुभूति नहीं है. बीमा प्रीमियम से भी बेहद कम मुआवजा देते हुए अधिकारियों को कोई शर्म नहीं आई. योजनाओं में गरीबों के कल्याण की भावना रहनी चाहिए न कि उनका निर्लज्जता के साथ शोषण करने की! बीमा कंपनियों को मुनाफा कमाने के और भी जरिए हैं फिर गरीब किसान की जेब क्यों काटी जाती है? लगता है कि मुआवजा तय करने वाले अधिकारी अत्यंत निर्दयी और असंवेदनशील हैं. किसानों का दिन-रात किया गया परिश्रम उन्हें दिखाई नहीं देता. बीज और खाद के दाम काफी बढ़े हुए हैं. नकली बीजों की भरमार है. किसान की लागत ही वसूल नहीं हो पाती. फसलों के दाम उम्मीद से काफी कम हैं. आसमानी-सुलतानी कारणों से फसल तबाह हो गई, तो बीमा कराने के बाद भी अत्यल्प मुआवजा दिया जाता है. ऐसे में इस योजना पर किसान कैसे भरोसा करें?

निशानेबाज

बिना माफी मांगे करते हैं माफ इस तरह दिखाते अपना रुआब

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज हम आपको माफ करना चाहते हैं. किसी को माफ करना बड़ी उदारता का काम है. जिसका दिल बड़ा है, वही सामने वाले को उसकी गलती के लिए माफ करता है. अब आप पूरी तरह निश्चिंत हो जाइए, क्योंकि हमने पूरी दरियादिली दिखाते हुए आपको माफ कर दिया.' हमने कहा, 'आप कैसी बहकी-बहकी बातें कर रहे हैं? जब हमने आपसे माफी नहीं मांगी, कोई क्षमा याचना नहीं की, प्लीज एक्स्क्यूज मी या बेग योर पार्डन नहीं कहा, तो आप हमें माफ करने वाले श्रस्त्र कौन होते हैं?' पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, माफ करना हमारा अधिकार है. हमारा मन हुआ कि आपको क्षमा कर दिया जाए, तो हमने कर दिया. गुनाहों के लिए या तो सजा दी जाती है या एहसान जताते हुए माफ कर दिया जाता है. किसी को माफ करना बड़प्पन की निशानी है. आपने सुना होगा- क्षमा बड़न को चाहिए, छोटन को उत्पात, का रहीम प्रभु को घट्यो जो भृगु मारी लात ! इसलिए छोटे लोग उपद्रव, उत्पात मचाएं या गलती करें तो उन्हें माफ कर देना चाहिए. भृगु ने भगवान विष्णु की छाती पर चरण प्रहार किया था, तो भी भगवान ने उनके पैर को सहलाते हुए कहा था कि मेरे कठोर वक्षस्थल से टकराकर आपके कोमल चरण को चोट तो नहीं आई! क्षमाशीलता एक महान गुण है. इसका इस्तेमाल हम आप पर कर रहे हैं. प्रधानमंत्री मोदी ने भी तो इसी तरह जंतर-मंतर पर आंदोलन का अपराध करने वाले युवाओं को माफ किया.' हमने कहा, 'जेन जी के युवा मानते नहीं कि उन्होंने कोई गलती या अपराध किया. उन्होंने शिक्षा क्षेत्र में सुधार की मांग करते हुए पेपर लीक का विरोध किया. उन्हें धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा चाहिए था. इसके लिए उन्होंने सरकार विरोधी आंदोलन किया. मोदी के खिलाफ इस्तेमाल भाषा के लिए भी उन्होंने माफी नहीं मांगी. जब वह माफी मांग ही नहीं रहे, तो मोदी जबरदस्ती क्यों उन्हें माफ कर रहे हैं?'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, जैसे भगवान किसी की गलती माफ कर देते हैं वैसी ही महानता मोदी ने दिखाई है. इतने पर भी जेन जी उन्हें थैंक यू नहीं बोल रही है. माफ कर देने की इस शानदार शैली की तारीफ कीजिए. इसे अहंकार मत समझिए. ईसा मसीह ने भी उन्हें कष्ट देने वाले रोमन सैनिकों के लिए कहा था कि हे ईश्वर, इन्हें क्षमा करना. ये नहीं जानते कि ये क्या कर रहे हैं.'

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12342 - डॉ. सागर खादीवाला

1	2		3	4	■	5	
6		■	7		8		■
9		■		■	10		
■	■	11		12			■
13	14	■	15		■	■	16
17		18		■	19		
	■		■	20		■	
21			■	22			

बहने वाला पदार्थ 3. भोजन में काम आने वाला मसाला जिसमें लौंग, इलायची, जीरा, कालील मिर्च आदि होती है 4. जंगल, वन, युद्ध 5. आग्रह करना 8. जानकार, अनुभवी 12. जीता हुआ, सिर 13. कैद (सं.) 14. एक पहर या तीन घंटे का समय, काल, समय 16. इतराना, नखरा करना 18. शिकार खेलने वाला 19. झगड़ा 20. ओहदा, पैर

बाएं से दाएं
1. अत्याचारी, जुल्म ढाने वाला 5. वांछित, कुलदेव, मित्र 6. झगड़ा, तकरार 7. रानियों के रहने का स्थान 9. जंगल 10. भाड़ा 11. सहयात्री 13. शरीर, तन 15. तत्व, सत्त, निष्कर्ष 17. गया का एक तीर्थ स्थान 19. पूरी निष्ठा के साथ कार्य करने वाला (सं.) 20. दृगंचल, समय का एक सूक्ष्म विभाग 21. वाहन, वह व्यक्ति जो सवार हो 22. धधकना, संतप्त होना

ऊपर से नीचे
1. पानी में डुबाना, ठंडा करना 2. द्रव,

Solution 12341

द	वा	■	म	द	नो	त्स	व
र	म	क	ना	■	क	■	जी
वे	■	र्ज	■	म	■	मु	र
श	त्रु	■	भा	ल	चं	द्र	■
■	■	च	र	खा	■	क	वि
श	ब्द	■	वा	न	र	■	ष
प	■	मा	ह	■	वि	वि	ध
थ	ल	■	न	ख	■	भा	र

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में जीवन सुखमय और मधुर रहेगा. घरेलू कार्यों में रूचि रहेगी. राजनैतिक मित्रों के सहयोग से पद परिवर्तन होगा. कार्यों में आकस्मिक व्यवधान आ सकता है. वर्ष के मध्य में परिश्रम अधिक करना होगा. थोड़ा लाभ का योग है. वरिष्ठ अधिकारियों के सहयोग से शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी. वर्ष के अन्त में सत्ता का सुख मिलेगा. पारिवारिक कार्यों में सुधार होगा. पद परिवर्तन का योग है. मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शासन सत्ता का सुख मिलेगा. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को वरिष्ठ अधिकारियों से सुख प्राप्त होगा. कार्य क्षेत्र में वृद्धि होगी. शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी. कर्क राशि के व्यक्तियों को साहस का अनुभव होगा. सिंह राशि के व्यक्तियों को मनोबल बढ़ेगा. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों राजनैतिक सुधार निजी दायित्वों की पूर्ति होगी. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को आकस्मिक सफलता प्राप्त होगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वस्थ्य, सुंदर, हंसमुख, मिलनसार होगा, चंचल एवं बुद्धिमान होगा. विद्या में रूचि रहेगी, माता पिता का भक्त होगा. धार्मिक कार्यों में आस्था रहेगी, यात्रा प्रवास का शौकीन होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

पंचांग

रा.मि. 16 संवत् 2083 श्रावण कृष्ण नवमीं भृगुवासरे दिन 1/12, कृतिका नक्षत्रे दिन 4/35, वृद्धि योगे दिन 10/59, गर करणे सू.उ. 5/27, सू.अ. 6/33, चन्द्रचार वृषभ, शु.रा. 2,4,5,8,9,12 अ.रा. 3,6,7,10,11,1 शुभांक- 4,6,0.

व्यापार भविष्य

श्रावण कृष्ण नवमीं को कृतिका नक्षत्र के प्रभाव से चांदी, रूई, कपास, सूती वस्त्र, खली, बिनौला, अरंडी, तिल, घी में मंदी होगी. गेहूं, जौ, चना, गुड, खांड, जायफल आदि में तेजी होगी. भाग्यांक 2786 है.

मेष- लंबित योजनाएं फिर से शुरू करने का समय है, अधिकारियों से मेल जोल का लाभ होगा.

वृषभ- कार्ययोजना में बदलाव कर इच्छित सफलता हासिल कर सकते हैं.

मिथुन- अनावश्यक खर्च करने से वित्तीय परेशानी हो सकती है, विवाद पक्ष में हल होगा.

कर्क- अटके काम पूरे होंगे, कार्य की अधिकता से परिजनों पर ध्यान नहीं दे पायेंगे.

सिंह- मित्रों के साथ घूमने का कार्य बनेगा, आर्थिक क्षेत्र में किसी तरह का निर्णय शीघ्रता में न लें.

कन्या- दिखावे के चक्कर में कर्ज लेना पड़ सकता है, मित्रों से टकराव संभव है. विवाद को टालें.

तुला- आत्मविश्वास से बात रखें, सबका सहयोग मिलेगा. युवा प्रतियोगी परीक्षा में सफल रहेंगे.

वृश्चिक- काम के संबंध में अनुकूल आश्वासन मिलेगें, प्रापर्टी संबंधी मामले से चिंता बढ़ेगी.

धनु- अनुभव की कमी से सही फैसला लेने में नाकाम रहेंगे, प्रभावशाली लोगों से संपर्कों का लाभ मिलेगा.

मकर- व्यर्थ के कामों में समय बर्बाद होगा, नई जिम्मेदारी आने से व्यस्तता बढ़ेगी.

कुम्भ- भूमि भवन और वाहन खरीदने का मन बनेगा, आशातीत सफलता प्राप्त होगी. सतर्कता वांछनीय है.

मीन- बिना मांगे दूसरों को सलाह देना भारी पड़ सकता है. आय व्यय में संतुलन बनाकर चलें.

SUDOKU 7474

					1	4		
	9					5	8	
			7	9				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6					1	
		9	3					

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7473

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9